S.S. COLLEGE, JEHANABAD
(GEOGRAPHY DEPARTMENT)

B.A. PART - 1 (PHYSICAL GEOGRAPHY : PAPER - 1)

TOPIC : RELIEF OF THE PACIFIC OCEAN FLOOR

(प्रशान्त महासागर का महासागरीय तल उच्चावच)

- **Prof. KUMARI NISHA RANI**

प्रशान्त महासागर का महासागरीय तल उच्चावच (Pacific Ocean Floor Mark):

इसकी आकृति त्रिभुजाकार है । यह अन्य सभी महासागरो से अधिक गहरा है । अधिकांश भागों की गहराई लगभग 7,300 मी. तक है । इसके चारों ओर की सीमाओं पर अनेक तटीय सागर और खाड़ियाँ हैं । इस विशाल महासागर में 20,000 से भी अधिक द्वीप है, परंतु इनका क्षेत्रफल काफी कम है । ये मुख्य स्थलखंड से पृथक हुए भाग हैं ।

महासागरों के मध्य स्थित द्वीप प्रवाल तथा ज्वालामुखी प्रक्रियाओं से निर्मित है । प्रशांत महासागर का उत्तरी आग सबसे गहरा है । इस भाग में बहुत अधिक संख्या में खाइयाँ व द्वीप मौजूद हैं, जिनकी उत्पति का संबंध प्लेट टेक्टॉनिक्स से है । अल्युशियन, क्युराइल, जापान, बेनिन, मेरियाना कुछ महत्वपूर्ण गर्तों हैं जिनकी गहराई 7,000 मी. से 10,000 मी. तक है ।

Prof.Kumari Nisha Rani

अधिकांश गर्त द्वीपीय क्षेत्रों के समीप मिलते हैं । मध्य भाग में अधिक संख्या में समुद्री पर्वत, गाइऑट आदि मिलते हैं । प्रशांत के दक्षिण पश्चिम में विभिन्न प्रकार के द्वीप, तटीय सागर, महाद्वीपीय मग्नतट तथा जलमग्न गर्त है । दक्षिण-पूर्व प्रशांत में चौड़े जलमग्न कटक तथा पठार है । अटाकामा एवं टोंगा खाई भी यहीं हैं, जिसकी गहराई क्रमशः 8,000 मी. व 9,000 मी. है ।